

288 पत्रावली चेका हकी वकील घाही व घाही के आवाल लगव
 29 गकी बाद-बाद आवाल लगान के बावजूद ती वकील घाही
 व घाही न्यायालय में हानि नही होने पर वकील घाही
 व घाही का घाह अदम हानि अदम पेशी में शामिल
 किया जाता है। पत्रावली के अल इमाम होकर अमर से अम
 होकर होमिल हफ्त हो।

उपखण्ड अधिकारी दातारामगढ